2068 आयोजनेत्तर

संख्या–2066/ III(2)/04–5(बजट)/2004

प्रेषक,

टी0के0 पन्त,
संयुक्तसचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवामें,

प्रभारी मुख्य अभियन्ता स्तर–1,
लो0नि0वि0,देहरादून ।

लोक निर्माण अनुभाग–2 देहरादून,दिनांक 25 सितम्बर, 2004

विषयः– वित्तीय वर्ष 2004–2005 मे राजभवन देहरादून परिसर/ राजभवन नैनीताल परिसर के रखरखाव एवं मरम्मत हेतु प्राविधानित धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या– 1528/86 बजट(भवन अनुरक्षण)/04–05,दिनांक 18 मई,2004 अगस्त,2004 के संदर्भ मे एवं शासनादेश संख्या–477/लो.नि.–।।।(2)/04–5(बजट)/03 दिनांक 18 मई,2004 के कम मे मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2004–05 मे राजभवन,देहरादून परिसर/राजभवन नैनीताल परिसर के रखरखाव एवं मरम्मत हेतु (आयोजनेत्तर) मद मे प्राविधानित धनराशि मे से लेखानुदान मे स्वीकृत धनराशि को कम करते हुए संलग्न विवरणानुसार रू0 80.39 लाख (रूपये अस्सी लाख उन्तालीस हजार मात्र) एवं रू0 18.67 लाख (रू0 अट्ठारह लाख सड़सठ हजार मात्र) अर्थात कुल रू0 99.06 लाख (रू0 निनान्वे लाख छः हजार मात्र)की धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है। उक्त स्वीकृति इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि यथा आवश्यकता उतनी ही धनराशि का आहरण किया जायेगा,जो विगत वर्ष के वास्तविक व्यय के अनुरूप हो और अनुरक्षण लोक निर्माण विभाग के मानक के अनुसार निर्गत शासनादेशो की व्यवस्थानुसार ही किया जायेगा ।

2– उक्त स्वीकृत धनराशि का मासिक आवश्यकता के आधार पर कोषागार से आहरण किया जायेगा,यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि स्वीकृत धनराशि का व्यय चालू/निर्माणाधीन योजनाओ पर ही किया जायेगा । शासन की पूर्वानुमति के बिना नई योजनाओ पर धनराशि का व्यय कदापि नही किया जायेगा,कार्यवार आवंटित धनराशि की सूचना शासन को एक सप्ताह के अन्दर उपलब्ध कराई जायेगी । स्वीकृत की जा रही धनराशि का 80 प्रतिशत तक उपयोग किये जाने के उपरान्त ही दूसरी किस्त का प्रस्ताव विगत वर्ष के वास्तविक व्यय का विवरण देते हुए किया जायेगा ।

3– यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि व्यय चालू कार्य पर कार्य की पूर्व अनुमानित लागत की सीमा तक ही किया जाये,व्यय उन्ही मदो मे किया जायेगा । जिनके लिए वह स्वीकृत किया जा रहा है।

4– व्यय करने से पूर्व जिन मामलो मे बजट मैनुअल,वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमो तथा अन्य स्थायी आदेशो के अर्न्तगत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो,उनमे व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय । निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनो /पुनरीक्षित आगणनो पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ–साथ विस्तृत आगणनो पर सक्षम अधिकारी की तकनिकी स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाय ।

5– कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु संबंधित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे ।

6– स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.05 तक पूर्ण उपयोग कर उसका उपयोगिता प्रमाण पत्र भी शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा ।

क्रमशः 2/–

6- इस संबध मे होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2004-2005 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-22 लेखाशीर्षक-2059-लोक निर्माण कार्य-01 कार्यालय भवन -आयोजनेत्तर-053-रखरखाव तथा मरम्मत (लघु लेखाशीर्षक-052 के स्थान)-03-रखरखाव एवं मरम्मत (भारित) 01-राजभवन देहरादून परिसर भवन एवं 02 राजभवन नैनीताल परिसर के अर्न्तगत संलग्नक मे उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाईयो के नामे डाला जायेगा ।

7- **यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा. सं0 1156/वित्त अनुभाग-3/04 दिनांक, 14सितम्बर,2004 मे प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है ।**

संलग्नकः- यथोक्त ।

भवदीय

(टी0एन0 पन्त)
संयुक्त सचिव

संख्या-2068(1)/ II(2)/04,तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1- महालेखाकार (लेखा प्रथम) उत्तरांचल,इलाहाबाद / देहरादून ।
2- सचिव श्री राज्यपाल,सचिवालय,देहरादून ।
3- आयुक्त गढवाल/कुमायू मंडल, पौडी/नैनीताल ।
4- जिलाधिकारी/ कोषाधिकारी, देहरादून/नैनीताल ।
5- मुख्य अभियन्ता , गढवाल/कुमायू क्षेत्र,लो0नि0वि0, पौडी/अल्मोडा ।
6- निदेशक ,राष्ट्रीय सूचना केन्द्र,सचिवालय परिसर,देहरादून ।
7- वित्त अनुभाग-3/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ उत्तरांचल शासन
8- लोक निर्माण अनुभाग-1 उत्तरांचल शासन / गार्ड बुक ।

आज्ञा से

(टी0एन0 पन्त)
संयुक्त सचिव

R c xoshi-Go-mw

शासनादेश संख्या– 2068 /लो.नि.2/04–05(बजट)/2004 दिनांक 25/9/.2004

अनुदान संख्या–22
लेखाशीर्षक–2059–राजभवन देहरादून परिसर का रखरखाव तथा मरम्मत (आयोजनेत्तर)
लेखाशीर्षक–2059–01–053–03–01 राजभवन देहरादून परिसर

क्रम संख्या	विवरण	आवंटन (हजार रू0 में)
01	09 विद्युत देय	473
02	10 जलकर /जल प्रभार	125
03	17–किराया उप शुल्क और कर स्वामित्व	20
04	25–लघु निर्माण कार्य	2000
05	29–अनुरक्षण	5421
	योग:–	8039

2– 2059–01–053–0302 राजभवन नैनीताल परिसर (आयोजनेत्तर)

01	09–विद्युत देय	467
02	29 अनुरक्षण	1400
	योग:–	1867
	महायोग :–	9906

(रू0 निनानबे लाख छः हजार मात्र)

(टी0के0 पन्त)
संयुक्त सचिव ।